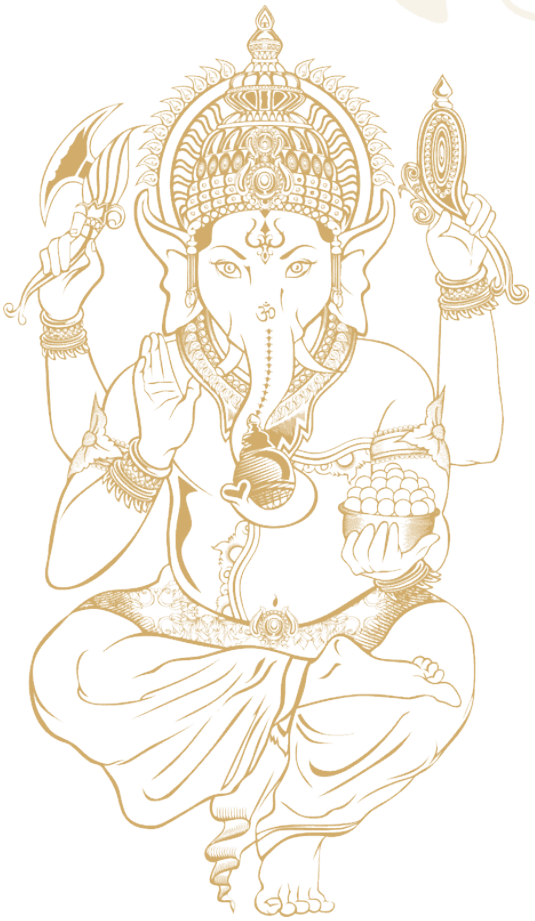

Boy

Girl

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120897601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120897601 Date: 11/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/02/1993	जन्म तिथि	28/08/1995
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:22:00	जन्म समय	11:16:00 घंटे
घटी 28:11:09	जन्म समय(घटी)	14:47:25 घटी
India	देश	India
Durgapur	स्थान	Tumsar
23:30:00 उत्तर	अक्षांश	21:24:00 उत्तर
87:20:00 पूर्व	रेखांश	79:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:19:20	स्थानिक संस्कार	-00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:32	सूर्योदय	05:52:58
17:41:56	सूर्यास्त	18:31:00
23:45:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अश्विनी	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	3
ब्रह्म	योग	साध्य
बव	करण	तैतिल
चो-चोलुक्य	जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
अश्व	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 9मा 2दि		10:24:45	सिंह	लग्न	तुला	24:00:25	सूर्य 2वर्ष 0मा 28दि	
चन्द्र		14:08:04	कुंभ	सूर्य	सिंह	10:40:18	राहु	
30/11/2021		08:04:51	मेष	चंद्र	कन्या	05:23:05	25/09/2014	
30/11/2031		15:39:00	मिथु	मंगल	कन्या	29:37:47	24/09/2032	
चन्द्र	30/09/2022	00:16:38	मीन	बुध	कन्या	05:03:38	राहु	07/06/2017
मंगल	01/05/2023	19:40:25	कन्या व	गुरु	वृश्चि	12:42:36	गुरु	01/11/2019
राहु	30/10/2024	23:09:59	मीन	शुक्र	सिंह	12:39:25	शनि	07/09/2022
गुरु	01/03/2026	29:10:42	मक	शनि व	कुंभ	28:50:42	बुध	26/03/2025
शनि	01/10/2027	23:40:26	वृश्चि व	राहु व	तुला	03:49:57	केतु	13/04/2026
बुध	01/03/2029	23:40:26	वृष व	केतु व	मेष	03:49:57	शुक्र	13/04/2029
केतु	30/09/2029	27:01:18	धनु	हर्ष व	मक	03:20:00	सूर्य	08/03/2030
शुक्र	01/06/2031	26:34:07	धनु	नेप व	धनु	29:20:50	चन्द्र	07/09/2031
सूर्य	30/11/2031	01:45:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:07:31	मंगल	24/09/2032

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:56

लग्न-चलित

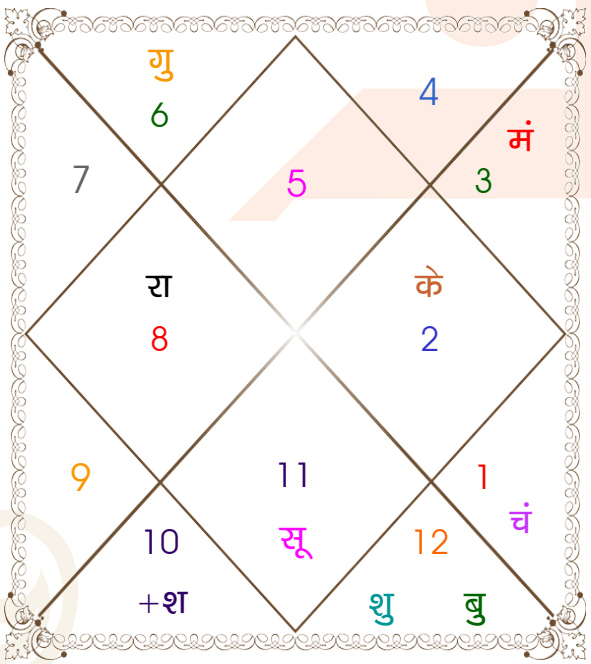

लग्न-चलित

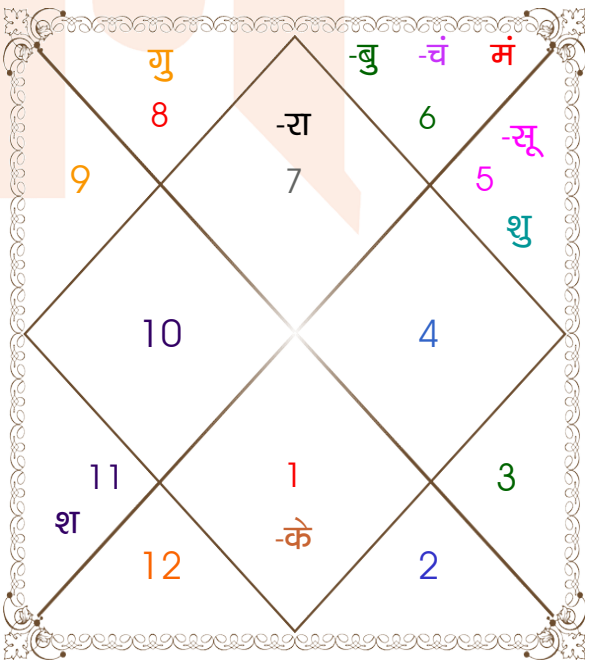

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

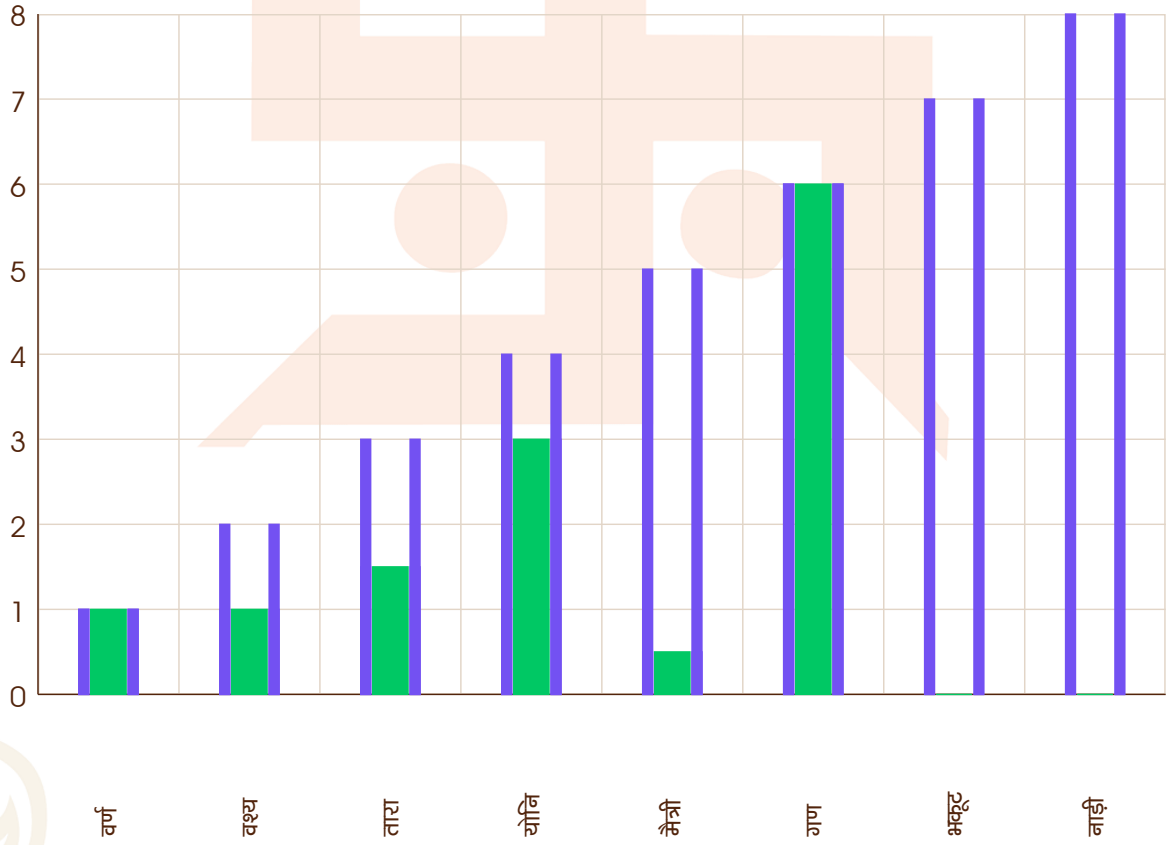

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Boy का वर्ग सिंह है तथा Girl का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Boy और Girl का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Boy मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Girl मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Girl कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Girl कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Boy कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Boy तथा Girl में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Boy का वर्ण क्षत्रिय तथा Girl का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Girl आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Girl की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Boy का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Girl का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Boy एवं Girl एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Girl क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Boy की तारा मित्र तथा Girl की तारा विपत है। Girl की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Boy एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Girl का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Boy की योनि अश्व है तथा Girl की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Boy का राशि स्वामी Girl के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Girl का राशि स्वामी Boy के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Boy का गण देव तथा Girl का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Girl अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Boy से Girl की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Girl से Boy की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Boy लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Girl को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Boy की नाड़ी आद्य है तथा Girl की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Boy एवं Girl दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में

संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Boy की अग्नितत्व युक्त मेष राशि है जबकि Girl की राशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। इनके प्रभाव से इनकी प्रवृति एवं दृष्टिकोण में स्वाभाविक अंतर रहेगा अतः सुख एवं शांतिमय दाम्पत्य जीवन के लिए इनको परस्पर अपने भावनात्मक भावों को छोड़कर सकरात्मक भावों को अपनाना पड़ेगा तभी दाम्पत्य जीवन में मधुरता आ सकती है।

Boy का राशि स्वामी मंगल सम एवं Girl की राशि स्वामी बुध शत्रुभावस्थ है। अतः इसके प्रभाव से Girl का Boy के प्रति विषम दृष्टिकोण तथा उदासीन भाव रहेगा। अतः Boy को चाहिए कि उपेक्षा के भाव का त्याग करें। इससे Girl हमेशा उनको सहयोग देंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

Boy की राशि से Girl की राशि षष्ठ तथा Girl की राशि से Boy की राशि अष्टम पड़ती है । अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Boy और Girl का परस्पर जीवन में अनावश्यक विवाद होता रहेगा तथा उनके मन में भी सांसारिक चिन्ताएं विद्यमान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता आएगी लेकिन ऐसी परिस्थितियों में Boy की उत्साही एवं आशावादी प्रवृति Girl की उदासी दूर करने में समर्थ रहेगी।

Boy वश्य चतुष्पद तथा Girl का वश्य मानव है तथा इनकी आपस में शत्रुता होने के कारण सम्बन्धों मतभेद होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन में अप्रसन्नता रहेगी। वे एक दूसरे की काम भावनाओं को पूर्ण करने में भी असमर्थ रहेंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं उत्पन्न होंगी ।

Boy का वर्ण क्षत्रिय है अतः वह साहसी उत्साही एवं पराक्रमी होंगे तथा विषम समस्याओं का सामना एवं समाधान करने में समर्थ रहेंगे जबकी Girl का वैश्य वर्ण होने के कारण वे मितव्ययी व्यावहारिक एवं सोचसमझ कर कार्यों को सम्पन्न करने वाली होगी । इससे उनका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

धन

Boy और Girl की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Girl पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Boy की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन

को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Boy और Girl दोनों ही आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन्हें नाड़ी दोष से कष्ट की अनुभूति होगी। आद्य नाड़ी का विशेष प्रभाव Boy के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से पक्षाघात आदि से वे कष्ट प्राप्त करेंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशी में अल्पता रहेगी। साथ ही मंगल के दुष्प्रभाव से भी Boy को स्वास्थ्य संबधी परेशानियां रहेगी फलतः वे धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे उनकी संभोग शक्ति भी प्रभावित होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह उत्पन्न होगा एवं परस्पर असन्तुष्टि का भाव रहेगा। अतः इसके अशुभ फलों को दूर करने के लिए उन्हें नित्य हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए। रहेगा। वैसे सामान्यतया ऐसी स्थिति में विवाह की उपेक्षा ही करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Boy और Girl को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। Girl सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे Boy और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

Boy और Girl की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से Boy और Girl अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर Boy और Girl का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Girl के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Girl के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Girl अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं

सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Girl के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Boy के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Boy के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Boy के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Boy भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।